INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VII-2nd Lang.	Department: Hindi	Class work
पाठ-3 फूल और काँटा (कविता)	Topics: - प्रश्नोत्तर, व्याकरण	PI File in portfolio-

अति लघु प्रश्न

1- **प्रश्न -** फूल और काँटा कहाँ जन्म लेते हैं?
उत्तर: फूल और काँटा **एक ही पौधे पर जन्म** लेते हैं।

2- **प्रश्न-** फूल किसके बीच रहकर भी मुसकराता है ?
उत्तर: फूल **काँटों के** बीच रहकर भी मुसकराता है।

3- **प्रश्न -** चाँदनी किस पर समान रूप से चमकती है?
उत्तर: चाँदनी **फूल और काँटे दोनों** पर समान रूप से चमकती है।

4- **प्रश्न -** काँटा किसका प्रतीक है?
उत्तर: काँटा जीवन की **कठिनाइयों और कष्टों का** प्रतीक है।

5- **प्रश्न -** फूल किस पर सुशोभित होता है?
उत्तर: फूल लोगों के **शीश पर** सुशोभित होता है।

6- **प्रश्न -** लोग हमेशा किसकी प्रशंसा करते हैं?
उत्तर: लोग हमेशा **दयावान और गुणवान** लोगों की प्रशंसा करते हैं।

लघु प्रश्न

1- **प्रश्न - फूल और काँटा किन मानवीय भावनाओं के प्रतीक हैं?**
उत्तर: फूल प्रेम, कोमलता, दया और परोपकार का प्रतीक है। काँटा क्रोध, ईर्ष्या, कठोरता और स्वार्थ का प्रतीक है।

2- **प्रश्न - फूल और काँटा कविता का क्या संदेश है?**
उत्तर: फूल और काँटे' कविता का मुख्य संदेश यह है कि व्यक्ति का बड़प्पन उसके उच्च कुल या जन्म से नहीं, बल्कि उसके कर्मों, व्यवहार और स्वभाव से तय होता है।

3- **प्रश्न - फूल और कांटे का हमारे जीवन में क्या महत्व है?**
उत्तर: फूल हमें खुशी और आनंद देते हैं, जबकि कांटे हमें यह याद दिलाते हैं कि जीवन में कठिनाइयाँ भी होती हैं।

4 . प्रश्न- फूल और काँटे के स्वभाव में क्या अंतर होता है?

उत्तर: फूल कोमल, सौम्य और सुगंधित होता है, जबकि काँटा कठोर और दूसरों को कष्ट देने वाला होता है।

दीर्घ उत्तर

1- प्रश्न -'फूल और काँटा' कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: इस कविता के माध्यम से कवि संदेश देते हैं कि मनुष्य का स्वभाव उसके पालन-पोषण और जन्म के स्थान से निर्धारित नहीं होता, बल्कि उसके कर्मों से होता है। काँटा और फूल एक ही स्थान पर जन्म लेते हैं, फिर भी काँटा दूसरों को दुःख देता है, जबकि फूल सभी को खुशी देता है। इसी प्रकार, अच्छे और बुरे कर्म करने वाले लोग समाज में अपने व्यवहार से ही पहचाने जाते हैं।

2- प्रश्न: कविता में फूल और कांटे के व्यवहार में क्या अंतर बताया गया है?

उत्तर: समानताएं होने के बावजूद दोनों का व्यवहार बिल्कुल विपरीत है। काँटा कठोर है और वह किसी को भी चोट पहुँचा सकता है, इसके विपरीत, फूल अपनी सुंदरता, सुगंध से सबका मन मोह लेता है और भगवान के चरणों में स्थान पाता है। कवि का कहना है कि हमें कांटे की तरह नहीं, बल्कि फूल की तरह बनना चाहिए।

मिलकर करें मिलान- only textbook

कविता में 'फूल' और 'काँटा' के द्वारा लोगों के स्वभावों के अंतर और समानताओं की ओर संकेत किया गया है।

व्याकरण-

प्रश्न:- 1 पर्यायवाची शब्द -

1- फूल - पुष्प , सुमन

2- काँटा - कंटक , शूल

3- मेघ - बादल , जलधर

4- हवा - पवन , वायु

5- रात - रात्रि , निशा

6- चाँद - चंद्रमा , शशि

7- प्यार - प्रेम , स्नेह

8- तन - शरीर , देह

9- वस्त्र - कपड़ा , पट

10- बड़प्पन - महानता , श्रेष्ठता

11- शीश - सिर , मस्तक

12- पंख - पर , डैना

प्रश्न-11 शब्दों को स्त्रीलिंग और पुल्लिंग के अनुरूप अलग-अलग लिखिए- WORK BOOK

स्त्रीलिंग (Feminine)	पुल्लिंग (Masculine)
रात	पौधा
हवा	चाँद
तितली	मेरु
आँख	छेद
पृथ्वी	वस्त्र
पहाड़ी	तन

मुहावरा किसे कहते हैं?

उत्तर: जब कोई वाक्यांश अपने सामान्य अर्थ को छोड़कर किसी विशेष अर्थ को प्रकट करता है, तो उसे मुहावरा कहते हैं। उदाहरण: 'आँखों का तारा' (बहुत प्यारा होना)

वाक्य- श्रवण अपे माता-पिता की 'आँखों का तारा था।

प्रश्न:2 दिए गए मुहावरों का वाक्य प्रयोग कीजिए-

1- आसमान सिर पर उठाना- (बहुत अधिक शोर करना)

वाक्य:- जैसे ही कक्षा से अध्यापक बाहर गए, बच्चों ने शोर मचाकर **आँसमान सिर पर उठा लिया**।

2- आसमान टूट पड़ना- (अचानक भारी विपत्ति या मुसीबत आना)
वाक्य:- पिता जी की अचानक मृत्यु की खबर सुनकर पूरे परिवार पर **आसमान टूट पड़ा**।

3- कलम तोड़ना - (बहुत ही अच्छा या प्रभावशाली लिखना)
वाक्य:- मुंशी प्रेमचंद ने अपनी कहानियों में ग्रामीण जीवन का ऐसा वर्णन किया है कि मानो उन्होंने **कलम ही तोड़ दी** हो।

4- पाँव उखड़ना - (हार मान लेना)
वाक्य:- भारतीय सेना के पराक्रम के सामने दुश्मन के **पाँव उखड़ गए** और वे युद्ध का मैदान छोड़कर भाग खड़े हुए।

5- आँखें बिछाना - (प्रेमपूर्वक और बहुत उत्सुकता से किसी का इंतज़ार करना)
वाक्य:- शबरी भगवान राम के दर्शन के लिए वर्षों से अपनी **आँखें बिछाए** बैठी थी।

6- चक्कर में पड़ना - (उलझन या दुविधा में फँसना)
वाक्य:- अरे! गोपाल तुम अचानक अपनी नौकरी छोड़कर किसके **चक्कर में पड़ गए हो**?

7- हाथ बँटाना - (मदद करना या सहयोग देना)
वाक्य:- सभी बच्चों को घर के कामों में अपने माता-पिता का **हाथ बँटाना** चाहिए।

8- सिर उठाना - (विरोध करना)
वाक्य - गाँव के लोगों ने ज़मींदार के अन्याय के खिलाफ **सिर उठाया**।

9- खुले हाथों से खर्च करना - **(**बहुत अधिक या दिल खोलकर खर्च करना)
वाक्य- मेहमानों के स्वागत के लिए हमारे माता-पिता **खुले हाथों से खर्च करते हैं**।

10- हाथ तंग होना- **(**आर्थिक तंगी होना)
वाक्य- मुसीबत के समय जब **हाथ तंग होता है**, तब सच्चे दोस्तों की पहचान होती है।

लेखन कार्य - संवाद

प्रश्न:- कल्पना कीजिए कि एक तितली काँटे से मित्रता करना चाहती है, उनके बीच कैसा संवाद होगा?

तितली का काँटे से संवाद कुछ इस प्रकार का होगा-

तितली - काँटे भैया! आज तो बहुत चमचमाती धूप है, पर तुम अब भी पहले जैसे ही दिख रहे हो।
काँटा - तितली बहन मैं तो ऐसा ही हूँ। तुम्हारी तरह रंग-बिरंगी और मुलायम होना मेरे नसीब में नहीं!

तितली - अरे नहीं भैया! तुम अपने को कम मत समझो। तुम्हारे बिना तो फूलों की रक्षा ही नहीं होती।

काँटा - (आश्चर्य से) क्या सच में? मुझे तो सब दूर से देखकर डरते हैं।

तितली - (हँसते हुए) तुम बाहर से कठोर हो, लेकिन तुम्हारे अंदर भी जीवन के लिए प्रेम है। तुम तो फूलों के रक्षा कवच हो ।

काँटा - (मुसकराकर) शुक्रिया तितली बहन, तुम्हारी बातें सुनकर अच्छा लगा। चलो, आज से हम अच्छे दोस्त हुए !

तितली - हाँ-हाँ, क्यों नहीं। आज से हम पक्के दोस्त हैं।

काँटा - तितली! मैं तो काँटा हूँ, तुम जैसे नाजुक जीवों को चुभ सकता हूँ। भला तुम मुझसे दोस्ती क्यों करना चाहोगी?

तितली - (हँसते हुए) क्योंकि मैं जानती हूँ, फूल के साथ रहकर आप भी रक्षा का गुण सीख चुके हैं। आप कठोर होकर भी रक्षा करते हैं, यह मुझे अच्छा लगता है।

काँटा -(हँसते हुए) तुम बहुत अच्छी हो तितली। मैं तो बस अपनी जिम्मेदारी निभाता हूँ, लेकिन तुम्हारे इस खुलेपन ने मेरा मन मोह लिया।

तितली - तो आज से हम दोस्त! मैं आपको कोमल बातें बताऊँगी, और आप मुझे जीवन की मजबूती सिखाना।

प्रश्न: अनुच्छेद - गुलाब: प्रकृति का अनमोल उपहार

गुलाब को दुनिया के सबसे सुंदर और आकर्षक फूलों में गिना जाता है, इसीलिए इसे 'फूलों का राजा' भी कहते हैं। यह एक बहुवर्षीय झाड़ीदार और कंटीला पौधा है। प्रकृति ने इसे जितनी सुंदरता दी है, उतनी ही मनमोहक इसकी खुशबू होती है। वैज्ञानिक दृष्टि से गुलाब की 100 से अधिक प्रजातियाँ पाई जाती हैं। इनमें से अधिकांश प्रजातियाँ मूल रूप से एशिया की हैं, जबकि कुछ यूरोप, उत्तरी अमेरिका और उत्तर-पश्चिमी अफ्रीका में भी पाई जाती हैं। भारत में भी गुलाब की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है। गुलाब केवल लाल रंग का ही नहीं होता, बल्कि यह गुलाबी, पीला, सफेद, नारंगी और यहाँ तक कि दुर्लभ काले और नीले रंगों में भी मिलता है। गुलाब का हर रंग किसी न किसी भावना का प्रतीक है; जैसे लाल गुलाब प्रेम का और पीला गुलाब मित्रता का संदेश देता है। इसका उपयोग केवल सजावट तक ही सीमित नहीं है। गुलाब की पंखुड़ियों से इत्र, गुलाब जल और गुलकंद जैसी उपयोगी चीज़ें बनाई जाती हैं। औषधीय गुणों के कारण इसका उपयोग त्वचा की देखभाल और कई दवाइयों में भी किया जाता है। इसकी लोकप्रियता और महत्व को देखते हुए भारत सरकार ने 12 फरवरी को 'गुलाब-दिवस' (Rose Day) के रूप में घोषित किया है। पंडित जवाहरलाल नेहरू को भी गुलाब बहुत प्रिय था, जिसे वे हमेशा अपनी अचकन पर लगाते थे। अपनी कोमलता और काँटों के बीच मुस्कुराने की कला के कारण गुलाब हमें जीवन में कठिन परिस्थितियों में भी खुश रहने की प्रेरणा देता है।

****